PRABHAT KHABAR, DATE - 19.11.2018, PAGE NO. - 17.

यूनिसेफ, प्रभात खबर और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की पहल

केंद्रीय विवि झारखंड में आज से झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

बाल अधिकार सप्ताह (14-20 नवंबर) के मौके पर रविवार को यूनिसेफ बाल पत्रकार का प्रेस कांफ्रेंस **बच्चों के लिए बच्चों के द्वारा** रांची प्रेस क्लब में आयोजित हुआ. इसमें सरकारी मध्य विद्यालय, पिर्रा, कांके की 14 व. की बाल पत्रकार सुरभि ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौता के तहत हम बच्चों को जीवन, विकास, सुरक्षा और भागीदारी का अधिकार दिया गया है. 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस के रूप में मनाते हैं.

इसलिए बच्चों के विचारों, मुद्दों और समस्याओं को ध्यान दिया जाये और अधिक से अधिक बाल अधिकार के प्रति जागरूक हों. सरकारी स्कूल बोड़या, कांके के 14 वर्षीय बाल पत्रकार अभिनंदन कुमार ने कहा कि हम यूनिसेफ, प्रभात खबर और झारखंड केंद्रीय विवि के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म महोत्सव (19-20) नवंबर में शामिल होकर विश्व बाल दिवस मनायेंगे. फिल्म महोत्सव के तहत यूनिसेफ, प्रभात खबर व सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड द्वारा आयोजित अखिल भारतीय लघु फिल्म प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जायेगा. पुरस्कृत फिल्में भी दिखायी जायेगी.

प्रेस क्लब में रविवार को फिल्म फेस्टिवल की जानकारी देते बच्चे.

सरकारी स्कूल पिर्रा, कांके के बाल पत्रकार 12 वर्षीय शुभम कुमार ने कहा कि बाल पत्रकारों ने यूनिसेफ और आलोक भारती के सहयोग से 10 एपिसोड का यूट्यूब सीरीज तैयार कर रहे हैं. इसमें अधिकारों की बात, बाल पत्रकारों के साथ के नाम से है. इसमें यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ मधुलिका जोनाथन, उपायुक्त राय महिमापत रे, एसएसपी अनीश गुप्ता, विधायक कुणाल सारंगी का साक्षात्कार है. यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ मधुलिका जोनाथन ने कहा कि 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस पर बच्चों के मुद्दों और समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करने और उन मुद्दों पर कार्यवाही का दिन है. बाल अधिकारों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए 20 नवंबर को सब एकजुट होंगे. सेंट्रल यूनिवर्सिटी के मास कम्यूनिकेशन विभाग के डीन डॉ देवव्रत सिंह ने कहा कि महोत्सव का आयोजन सेंट्रल यूनिवर्सिटी के ब्रांबे स्थित कैंपस में किया जा रहा है. इस महोत्सव को चिल्ड्रेंस फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया का भी समर्थन है.

फिल्म फेस्टिवल में दिखेगी यह फिल्म

झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल के दौरान बाटुल मुखियार की फिल्म काफल (2014 में 61वें राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड के दौरान चिल्ड्रेंस फिल्म अवार्ड से पुरस्कृत), प्रो. शिल्पा रानाडे की गुपी गवैया बाघा बजैया (18वें इंटरनेशनल चिल्ड्रेस फिल्म फेस्टिवल अवार्ड प्राप्त), अमोल गुप्ते की फिल्म स्टेनले का डब्बा भी शामिल है.

इन फिल्मों का हुआ चयन

अखिल भारतीय लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में 11 राज्यों से 41 प्रविष्टियां आयी. इनमें पुरस्कार प्राप्त फिल्मों के चयन में चिरैया चाहे आसमान, लाडो, लालबत्ती, मैं शिखा, वजह एक छीने अनेक है.